शोध मंथन

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य पर लिंग एवं भाला के प्रकार के अंतःक्रियात्मक प्रभाव का अध्ययन

डॉ. (श्री मति) तृषा शर्मा
सहायक अध्यापक
विभाग शिक्षा
स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वती महाविद्यालय, भिलाई

प्रस्तावना

ि"ाक्षा उस वैचारिक प्रक्रिया का नाम है जो बालक के आचार, विचार व भावनाओं में परिवर्तन लाती है। ि"ाक्षा का अर्थ संस्कार होता है। प्रत्येक अभिभावक अपने बालक को अच्छी ि"ाक्षा दिलाना चाहता है तथा अच्छे विद्यालय की खोज में रहता है। जिससे बालक को अच्छी ि"ाक्षा मिल सके। अच्छी ि"ाक्षा में उत्तम ि"ाक्षण व्यवस्था के साथ–साथ उत्तम संस्कारों को भी सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए। अच्छे संस्कार में हम उन्हीं को अच्छा कह सकते हैं जो किसी दे"ा की संस्कृति, परंपरा, जीवनाद"ार्ों तथा जीवन मूल्यों की कसौटी पर उत्तम माने जा सकते हैं अतः उत्तम ि"ाक्षा में, जहां ज्ञानार्जन, जीवन की दृष्टि, प्रतिभा व क्षमता समाहित हैं, वहीं उत्तम संस्कारों में संस्कृति, जीवन मूल्यों व जीवनाद"ार्ों द्वारा पोषण नितान्त आव"यक है तथा स्वाधीन भारत की यही महती आव"यकता है।

आज समाज में चारों ओर नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक तथा धार्मिक मूल्यों में गिरावट देखने को मिलती है। आज की भीड़ भरी दुनिया में, भौतिकता की ऑधी में, सांप्रदायिकता संकीर्णता की बाढ़ में, प्रतिस्पध्र्दा की होड़ में, स्वार्थपरता के तूफान में हमारे सभी नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक तथा धार्मिक मूल्य बहते चले जा रहे हैं। अतः आज की विसंगतियों मे समाज तथा उसके प्रत्येक सदस्य का यह दायित्व हो जाता है कि वह मूल्यों के विकास पर बल दे।

प्रस्तुत अध्ययन उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य पर लिंग एवं शाला के प्रकार का अंतःक्रियात्मक प्रभाव है। यह मूल्य मूलतः ई"वर पर आस्था के उपर परिभाषित होता है। इस मूल्य के अनुसार नीतिपरक संहिताओं के अनुसार आचरण करना, तीर्थ यात्रा, सादा

जीवन व्यतीत करना, धार्मिक गुरुओं पर आस्था, नियमित पूजा करना तथा सच का पालन करना प्रमुख है।

डल,इंद्र तथा सुमन (2007), रेड्डी (1979)ने उच्च सामाजिक–आर्थिक स्थिति वाले छात्रों में शक्ति सत्ता मूल्य अधिक तथा धार्मिक मूल्य कम पाया। तथा छात्राओं में सौंदर्यात्मक मूल्य अधिक तथा सुखवादी मूल्य कम पाया गया। निम्न सामाजिक–आर्थिक स्थिति वाले छात्र एवं छात्राओं का धार्मिक मूल्य तथा पारिवारिक मूल्य कम तथा बौद्धिक तथा आर्थिक मूल्य अधिक पाया गया।

अध्ययन के उद्दे"य –

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य पर लिंग एवं शाला के प्रकार का स्वतंत्र एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव का अध्ययन करना ।

परिकल्पना –

H_0I_1 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य पर लिंग एवं शाला के प्रकार का स्वतंत्र एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

न्याद"र्ा –

प्रस्तुत अध्ययन हेतु छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले के सरस्वती f"ा"ु मंदिर तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों को स्तरीकृत यादृच्छिक प्रतिद"र्ा द्वारा चयनित किया गया। सरस्वती f"ा"ु मंदिर विद्यालय के 400 विद्यार्थियों (200 छात्र एवं 200 छात्राएं) तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के 400 विद्यार्थियों (200 छात्र एवं 200 छात्राएं) का चयन किया गया है।

उपकरण –

विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य के मापन हेतु जी.पी. शैरी तथा आर. पी. वर्मा (सं"ोधित उपकरण 2012) द्वारा निर्मित प्रमापीकृत उपकरण वैयक्तिक मूल्य प्र"नावली का प्रयोग किया गया। जिसकी वैधता एवं वि"वनीयता उच्च कोटि की है।

परिणाम एवं व्याख्या –

H_0I_1 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरतविद्यार्थियों क वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिकमूल्य प्राप्तांकों पर लिंग एवं भााला के प्रकार का स्वतंत्र एवं अंतःक्रियात्मक प्रभाव नहीं पाया जायेगा।

प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्दे"य उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों पर लिंग एवं शाला के प्रकार के प्रभाव का अध्ययन करना है। अतः सांख्यिकीय वि"लेषण हेतु लिंग (2)X"ाला का प्रकार (2)द्विदि"ा प्रसरण वि"लेषण की संगणना की गई है। द्विदि"ा प्रसरण वि"लेषण की गणना से प्राप्त सारां"ा को तालिका क्रमांक 1में द"ार्ाया गया है।

तालिका क. 1

विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों पर लिंग एवं भााला के प्रकार का स्वतंत्र एवं संयुक्त प्रभाव के संदर्भ में 2X2 प्रसरण वि"लेशण का सारां"ा

विचलन के स्रोत	वर्गों का योग	स्वतंत्रता के अं"ा	मध्यमान वर्ग	F का मान
लिंग(A)	371.281	1	371.281	51.29**
भााला का प्रकार(B)	393.401	1	393.401	54.35**
लिंग(A)x भााला का प्रकार(B)	566.161	1	566.161	78.22**
त्रुटि	5761.205	796	7.238	
सं"ाोधित योग	7092.049	799		

****.01 सार्थकता के स्तर पर, * = .05, • = Not significant (NS)**

तालिका के अवलोकन से ज्ञात होता है कि –

● **लिंग**– विद्यार्थियों के लिंग का वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य पर क्या स्वतंत्र प्रभाव पड़ता है? इस अध्ययन हेतु तालिका का निरीक्षण करने से स्पष्ट होता है कि लिंग कारक के लिए प्राप्त **Fका मान 51.29, df 1/796** है जो सार्थकता के **.01 स्तर** पर सार्थक है। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि लिंग के विभिन्न स्तरों में अंतर विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य में विचलन"ाीलता उत्पन्न करते हैं। इस परिप्रेक्ष्य में शून्य परिकल्पना कि, विद्यार्थियों की वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य पर लिंग का स्वतंत्र प्रभाव नहीं पाया जायेगा, अस्वीकृत की जाती है। राठी एवं सिंग **(2006),**जैन **(1990),**सिंह **(1997),**ठाकुर एवं कांग **(2005),** मुछाल एवं चौहान **(2012)**ने कि"ाोरावस्था के विद्यार्थियों के धार्मिक मूल्य को उच्च पाया। अतः यह परिणाम प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष की पुष्टि करते हैं।

लिंग के आधार पर विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य प्राप्तांकों के मध्यमान को हम निम्न तालिका की सहायता से देख सकते हैं –

तालिका क. 2

लिंग आधार पर विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों का मध्यमान मूल्य

लिंग	N	M	SD
छात्र	400	12.45	3.08
छात्राएँ	400	11.09	2.70

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि छात्रों (M= 12.45)की अपेक्षा छात्राओं (M= 11.09)के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों के मध्यमानों में महत्वपूर्ण भिन्नता है। छात्रों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य का प्राप्तांक छात्राओं केवैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांक की अपेक्षा उच्च पाया गया।

पैट्रिक सी.एल हेवन तथा जोसेफ सियाराओची (2007)ने कि"ोरावस्था के छात्रों में धार्मिक मूल्य उच्च पाया।

● **भााला का प्रकार**– विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों पर शाला के प्रकार के लिए **Fमूल्य 54.35** है जो कि **df 1/796**पर सार्थकता के **.01 स्तर** पर सार्थक है अर्थात् वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांक पर शाला का स्वतंत्र एवं सार्थक प्रभाव पड़ता है अतः शून्य परिकल्पना कि, विद्यार्थियों की वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य पर शाला के प्रकार का स्वतंत्र प्रभाव नहीं पाया जायेगा, अस्वीकृत की जाती है। शाला के प्रकार आधार पर विद्यार्थियों की वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांक के मध्यमान को निम्न तालिका में द"ार्या गया है।

तालिका क. 3

भााला के प्रकार आधार पर विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों का मध्यमान मूल्य

भााला का प्रकार	N	M	SD
सरस्वती ि"ा"ाु मंदिर	400	12.47	2.47
भाासकीय विद्यालय	400	11.07	3.04

उपरोक्त तालिका से विदित होता है कि सरस्वती ि"ा"ाु मंदिर विद्यालय के विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य का प्राप्तांक (M= 12.47)है जो शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों (M= 11.07)की अपेक्षा सार्थक रूप से उच्च पाया गया।

कपूर **(1986)**ने सरस्वती ि"ा"ाु मंदिर के विद्यार्थियों का धार्मिक मूल्य सार्थक रूप से उच्च पाया।

● **लिंगX भााला का प्रकार**– विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों पर लिंग एवं शाला के प्रकार के बीच की अंतःक्रिया के लिए **Fका मान 78.22** है जो कि **df 1/796**पर सार्थकता के **.01 स्तर** पर सार्थक है अर्थात् लिंग एवं शाला के प्रकार के मध्य अंतःक्रिया का विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य पर संयुक्त एवं सार्थक प्रभाव पड़ता है। इस परिप्रेक्ष्य में शून्य परिकल्पना कि, विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य पर लिंग एवं शाला के प्रकार की अंतःक्रिया का सार्थक प्रभाव नहीं पाया जायेगा, अस्वीकृत की जाती है। लिंग एवं शाला के प्रकार के मध्य की अंतः क्रिया को हम निम्न तालिका 5.2.10(द) की सहायता से देख सकते हैं –

तालिका कमांक 4

लिंग एवं भााला के प्रकार के मध्य अंतःक्रिया मध्यमान

लिंग (A)तथा भााला के प्रकार (B)का विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य पर पड़ने वाला प्रभाव(N = 800)

		भााला का प्रकार (B)		सम्मिलित मध्यमान
		सरस्वती ि"ा"ाु मंदिर(b_1)	भाासकीय विद्यालय (b_2)	
लिंग(A)	छात्र (a_1)	N=200 Mean = 12.31 S.D. = 3.54	N=200 Mean = 12.59 S.D. = 2.53	12.45
	छात्राएँ (a_2)	N=200 Mean =12.63 S.D. = 1.55	N=200 Mean = 9.55 S.D. = 2.74	11.09
	सम्मिलित मध्यमान	12.47	11.07	

तालिका को देखने से ज्ञात होता है कि सरस्वती ि"ा"ाु मंदिर विद्यालय के छात्र (M= 12.31)एवं छात्राओं (M= 12.63) के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों का मध्यमान शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के मध्यमान छात्र(M= 12.59)एवं छात्राओं (M= 9.55)की अपेक्षा सार्थक रूप से उच्च है। पुनः तालिका से स्पष्ट है कि सरस्वती ि"ा"ाु मंदिर विद्यालय के छात्रों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य का प्राप्तांक (M= 12.31)सरस्वती ि"ा"ाु मंदिर के छात्राओं के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य के प्राप्तांकों (M= 12.63)की अपेक्षा कम पाया गया। किंतु इसके विपरीत शासकीय शालाओं के छात्रों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य का प्राप्तांक(M= 12.59)शासकीय शालाओं

के छात्राओं के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य के प्राप्तांकों (M= 9.55)की अपेक्षा उच्च पाया गया।

चांद **(1992)**ने निजी विद्यालय के छात्रों का धार्मिक मूल्य सार्थक रूप से उच्च पाया।
लिंग एवं शाला के प्रकार के मध्य की अंतः क्रिया को हम निम्न आरेख क्रमांक 5.2.10(इ) की सहायता से देख सकते हैं –

आरेख 1

विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य पर लिंग एवं भाला के प्रकार के मध्य अंतःक्रिया का आरेख

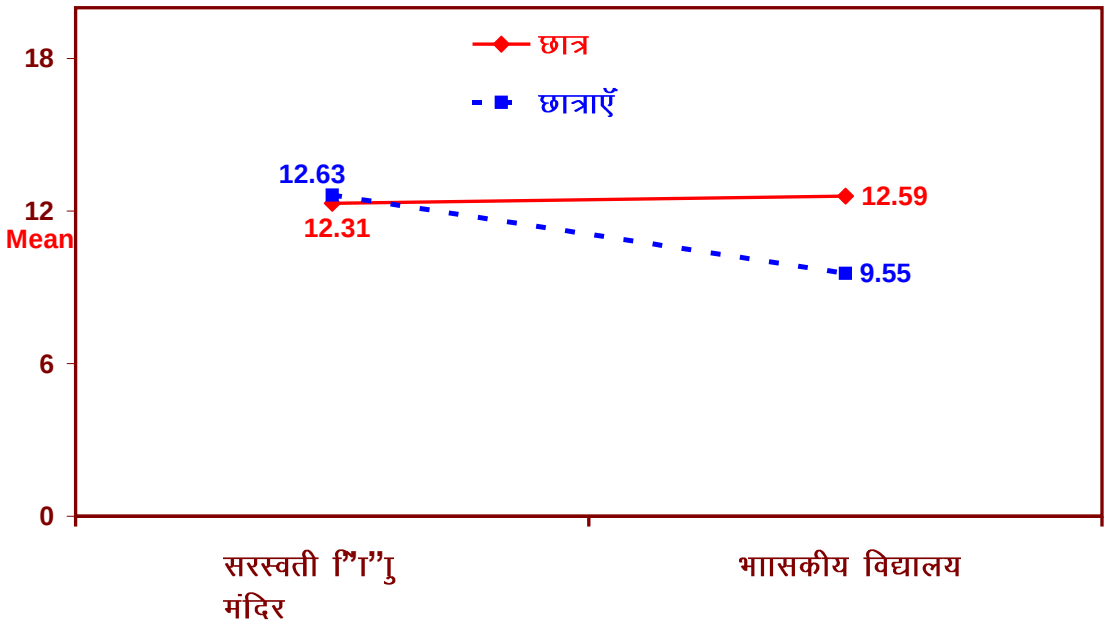

परिणाम

● लिंग का प्रभाव

1. विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्यप्राप्तांकों पर लिंग का सार्थक प्रभाव पाया गया।
2. छात्राओं के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य का प्राप्तांक छात्रों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांक की अपेक्षा निम्न पाया गया।

●भाला के प्रकार का प्रभाव

1. विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों पर शाला के प्रकार का सार्थक प्रभाव पाया गया।

 ISSN No. (P) 0976-5255, (e) 2454-339X
ICRJIFR
IMPACT FACTOR
3.8942

2. सरस्वती f"i"kq मंदिर के विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य का प्राप्तांक शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य के प्राप्तांकों से उच्च पाया गया।

● अंतःक्रियात्मक प्रभाव – लिंग x भााला के प्रकार का प्रभाव

1. लिंग x शाला का प्रकार के मध्य अंतःक्रिया का विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों पर संयुक्त एवं सार्थक प्रभाव पाया गया।
2. सरस्वती f"i"kq मंदिर के विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य के प्राप्तांकों का मध्यमान शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य के प्राप्तांकों के मध्यमान की अपेक्षा सार्थक रूप से उच्च पाया गया।
3. सरस्वती f"i"kq मंदिर के छात्रों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य का प्राप्तांकसरस्वती f"i"kq मंदिर के छात्राओं के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य के प्राप्तांकों से निम्न पाया गया।
4. शासकीय विद्यालय के छात्रों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य का प्राप्तांक शासकीय विद्यालय के छात्राओं के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य के प्राप्तांकों से उच्च पाया गया।

उपर्युक्त निष्कर्ष यह द"kाते हैं कि, विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों पर लिंग का सार्थक प्रभाव पड़ता है। विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों पर शाला के प्रकार का स्वतंत्र एवं सार्थक प्रभाव पाया गया। इसी प्रकार लिंग x शाला के प्रकार का अंतःक्रियात्मक प्रभाव पाया गया। अतः विद्यार्थियों के वैयक्तिक मूल्य के आयाम धार्मिक मूल्य प्राप्तांकों पर संयुक्त अंतःक्रियात्मक प्रभाव पड़ता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची –

Kalamani, M. (1999).A study of the problem of adolescent and their value system, Unpublished doctoral dissertation, Madurai Kamraj University.

Kapoor, K. (1986). A study of saraswati shishu mandirs and public schools with reference to some psycho-social characteristics of their students, Ph.D. Edu., Mee. Uni., Fourth Survey of Research in Education 1983-88. Vol-I.

Ratnakumari, B. (1987).Studies in human values of high schools of Andhra Pradesh in relation to their socio-economic status and mass media exposure, Unpublished Ph.D. thesis, Osmania University, Hyderabad.

Malti (2007). A comparative study of value pattern, intelligence and academic achievement of the students of U.P. Board and C.B.S.E. Board, Modern Educational Research in India, Jan-March, year-4, Vol.12, No.1, 11-15.

पाण्डेय, राम"ाकल एवं मिश्रा, करूणा"ांकर (2007). मूल्य ि"ाक्षण, आगरा–2, विनोद पुस्तक मंदिर.

सीबिया, (1990). मूल्य ि"ाक्षण, आगरा–2, 2007, विनोद पुस्तक मंदिर.